उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा 2024

अर्थशास्त्र

(Date 14/03/2024)

SOLVED QUESTION PAPER

Fully Explained

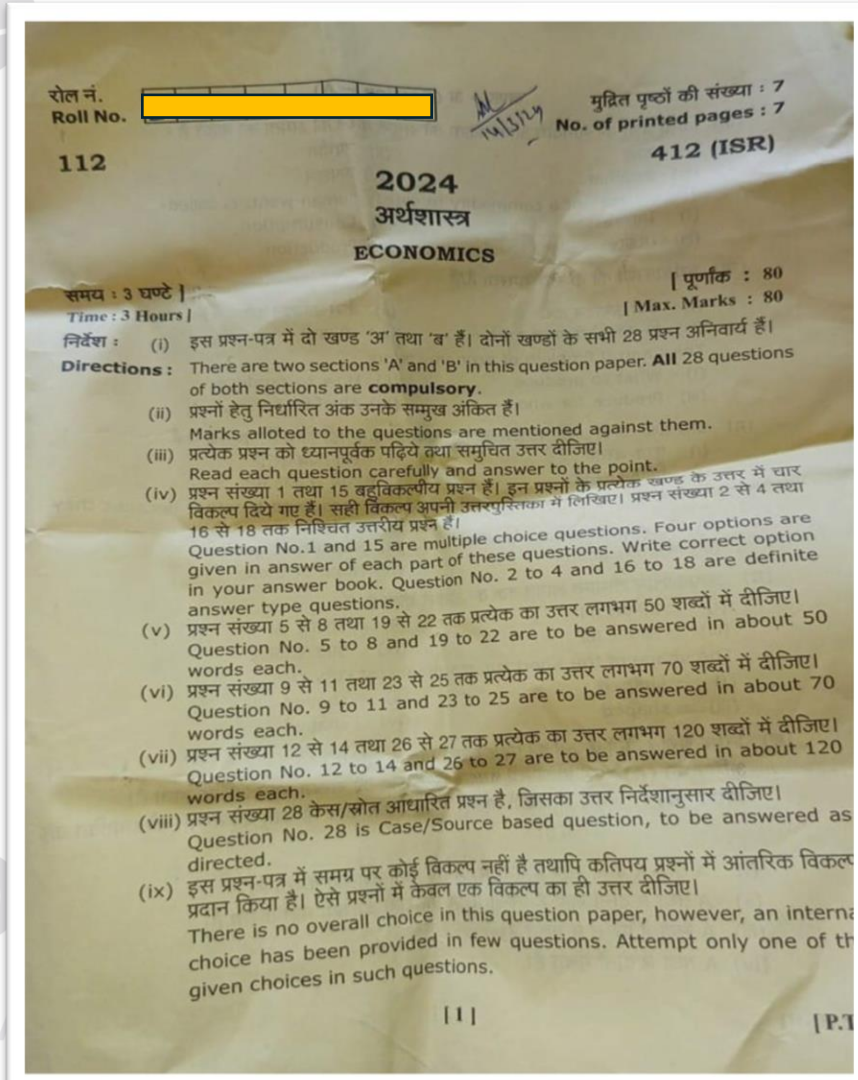

रोल नं.
Roll No.

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7
No. of printed pages : 7

112

412 (ISR)

2024
अर्थशास्त्र
ECONOMICS

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 80
Time : 3 Hours] [Max. Marks : 80

निर्देश : (i) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड 'अ' तथा 'ब' हैं। दोनों खण्डों के सभी 28 प्रश्न अनिवार्य हैं।
Directions : There are two sections 'A' and 'B' in this question paper. All 28 questions of both sections are **compulsory**.

(ii) प्रश्नों हेतु निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।
Marks alloted to the questions are mentioned against them.

(iii) प्रत्येक प्रश्न को ध्यानपूर्वक पढ़िये तथा समुचित उत्तर दीजिए।
Read each question carefully and answer to the point.

(iv) प्रश्न संख्या 1 तथा 15 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के प्रत्येक खण्ड के उत्तर में चार विकल्प दिये गए हैं। सही विकल्प अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखिए। प्रश्न संख्या 2 से 4 तथा 16 से 18 तक निश्चित उत्तरीय प्रश्न हैं।
Question No.1 and 15 are multiple choice questions. Four options are given in answer of each part of these questions. Write correct option in your answer book. Question No. 2 to 4 and 16 to 18 are definite answer type questions.

(v) प्रश्न संख्या 5 से 8 तथा 19 से 22 तक प्रत्येक का उत्तर लगभग 50 शब्दों में दीजिए।
Question No. 5 to 8 and 19 to 22 are to be answered in about 50 words each.

(vi) प्रश्न संख्या 9 से 11 तथा 23 से 25 तक प्रत्येक का उत्तर लगभग 70 शब्दों में दीजिए।
Question No. 9 to 11 and 23 to 25 are to be answered in about 70 words each.

(vii) प्रश्न संख्या 12 से 14 तथा 26 से 27 तक प्रत्येक का उत्तर लगभग 120 शब्दों में दीजिए।
Question No. 12 to 14 and 26 to 27 are to be answered in about 120 words each.

(viii) प्रश्न संख्या 28 केस/स्रोत आधारित प्रश्न है, जिसका उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।
Question No. 28 is Case/Source based question, to be answered as directed.

(ix) इस प्रश्न-पत्र में समग्र पर कोई विकल्प नहीं है तथापि कतिपय प्रश्नों में आंतरिक विकल्प प्रदान किया है। ऐसे प्रश्नों में केवल एक विकल्प का ही उत्तर दीजिए।
There is no overall choice in this question paper, however, an internal choice has been provided in few questions. Attempt only one of the given choices in such questions.

[1] [P.T.O.

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION

खंड अ (व्यष्टि अर्थशास्त्र)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न

क) किसी वस्तु की मानवीय आवश्यकता के संतुष्ट करने की क्षमता को कहते हैं। (1)

i) रूचि

ii) उपभोग

iii) उपयोगिता

iv) उत्पादन

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

ख) अर्थव्यवस्था की केंद्रीय समस्या है? (1)

i) क्या उत्पादन करें?

ii) कैसे उत्पादन करें?

iii) किसके लिए उत्पादन करें?

iv) उपरोक्त सभी।

ग) चाय तथा कॉफी जैसी वस्तुओं का एक साथ उपभोग नहीं होता है, क्योंकि ये है- (1)

i) पूरक वस्तुएँ

ii) स्थानापन्न वस्तुएँ

iii) गिफ़्फ़िन वस्तुएँ

iv) इनमें से कोई नहीं

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

घ) अल्पकालीन सीमांत लागत वक्र का आकार होता है।

(1)

i) C आकार का

ii) ∩ आकार का

iii) Ɔ आकार का

iv) U आकार का

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

ङ) निम्नलिखित दोनों कथनों को पढकर सही विकल्प चुनिए। (1)

अभिकथन (A): पूर्ण प्रतिस्पर्धा बाजार में क्रेताओं की संख्या बहुत अधिक होती है।

कारण (R): पूर्ण प्रतिस्पर्धा बाजार में कोई एक क्रेता भी वस्तु की कीमत को प्रभावित कर सकता।

i) A तथा R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।

ii) A तथा R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

iii) A सही है परंतु R गलत हैं।

iv) A तथा R दोनों गलत है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

2. परंपरागत रूप से अर्थशास्त्र की विषय वस्तु का अध्ययन किन दो व्यापक शाखाओं के अंतर्गत किया जाता है? (1)

उत्तर: व्यष्टि अर्थशास्त्र और समष्टि अर्थशास्त्र ।

3. उपभोक्ता की आय में वृद्धि होने से निम्न स्तरीय वस्तु की मांग पर क्या प्रभाव पड़ता है? (1)

उत्तर: मांग कम हो जाती है ।

4. औसत उत्पादन वक्र की आकृति किस प्रकार की होती है? (1)

उत्तर: उलटे यू (∩) आकार की

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

5. केंद्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था क्या है? स्पष्ट कीजिये। (2)

उत्तर: केंद्रीयकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था सामाजिक कल्याण के लिए नियोजित की गई है। केंद्रीयकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था में सभी उत्पादन साधनो से संबंधित निर्णय अतः उनका का स्वामित्व सरकार के अधीन होता है। इस कारण से सरकार जनता/प्रजा के हित में निर्णय लेने में सक्षम होती है।

6. पूर्ति की कीमत लोच का क्या अर्थ है? समझाइए। (2)

उत्तर: पूर्ति की लोच किसी वस्तु की कीमत में होने वाले परिवर्तन के परिणामस्वरूप उसकी पूर्ति में होने वाले परिवर्तन की माप है।

$$\text{पूर्ति की लोच} = \frac{\text{वस्तु की पूर्ति में अनुपातिक परिवर्तन}}{\text{वस्तु की कीमत में आनुपातिक परिवर्तन}}$$

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

7. अल्पकाल तथा दीर्घकाल से क्या आशय है? (2)

उत्तर: **अल्पकाल** समय की वह अवधि है जिस में उत्पादन के कुक कारक स्थिर होते हैं तथा कुछ केवल परिवर्ती होते हैं |

दीर्घकाल वह समयावधि है जिस में उत्पादन के सभी कारकों को बदला जा सकता है|

8. कीमत रेखा किसे कहते हैं? चित्र सहित स्पष्ट कीजिए। (2)

उत्तर: कीमत रेखा दो वस्तुओं के उन विभिन्न संयोगों को व्यक्त करती है जो उपभोक्ता अपनी दी हुई आय एवं वस्तुओं की वर्तमान कीमत के आधार पर खरीद सकता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

9. अनाधिमान वक्र के लक्षण (विशेषताओं) का उल्लेख कीजिए। (3)

उत्तर: अनाधिमान वक्र के लक्षण

i) उदासीनता वक्र बाएं से दाएं नीचे की ओर गिरता हुआ होता है

ii) उदासीनता वक्र मूल बिंदू की ओर उन्नतोदर होते हैं

iii) दो उदासीनता वक्र एक दूसरे को काटते

IV) ऊंचे उदासीनता वक्र संतुष्टि के ऊंचे स्तर को व्यक्त करते हैं

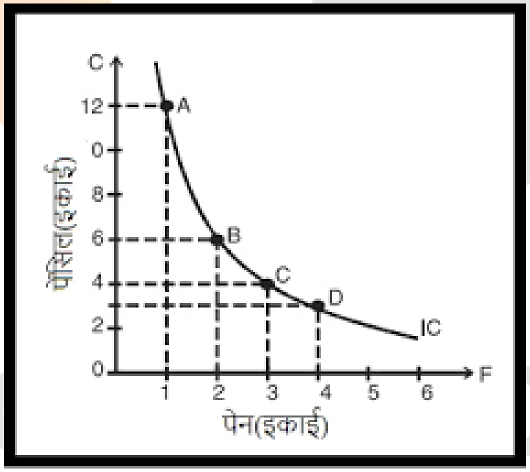

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

10. इकाई कर लगने से पहले एक फर्म का पूर्ति वक्र किस प्रकार प्रभावित होता है? (3)

उत्तर: इकाई कर वह कर है जिसे सरकार निर्गत मात्रा की प्रति इकाई बिक्री पर लगाती है। इकाई कर लगने से उत्पादन की कुल लागत में वृद्धि हो जाती है तथा उत्पादन की प्रति इकाई सीमान्त लागत भी बढ़ जाती है जिससे दीर्घकालीन पूर्ति वक्र बाटै ओर शिफ्ट हो जाता है। किसी दी हुई बाजार कीमत पर फर्म अब निर्गत की कम इकाइयों की पूर्ति करती है।

जब किसी वस्तु पर इकाई कर लगता है तो अल्पकाल में पूर्ति वक्र बाईं ओर खिसक जाता है, क्योंकि अल्पकाल काल का पूर्ति वक्र MC का न्यूनतम AVC वक्र के ऊपर का हिस्सा होता है। कर लगने पर MC तथा AVC वक्र बाँईं ओर खिसकेंगे, अतः पूर्ति वक्र बाईं ओर खिसकेगा।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

11. पूर्णतः बेलोचदार मांग को समझाइए। (3)

उत्तर: जब किसी वस्तु की कीमत में परिवर्तन के फलस्वरूप उसकी मांग में कोई परिवर्तन नहीं होता, तो ऐसी मांग को पूर्णतः बेलोचदार मांग कहते हैं। ($E_d = 0$)

$$\frac{\Delta Q}{Q} = 0$$

उदाहरण :

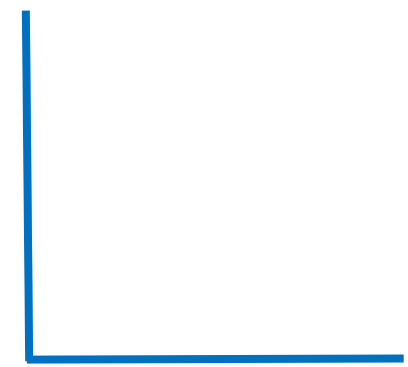

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अथवा

प्रश्न: बजट सेट में बदलाव से आप क्या समझते हैं?

उत्तर: बजट रेखा में खिसकाव दो कारणों से होता है:

1.उपभोक्ता की आय में परिवर्तन

2.वस्तु की कीमत में परिवर्तन हो

उपभोक्ता की आय में परिवर्तन: आय में परिवर्तन (वृद्धि) होने से उपभोक्ता का बजट रेखा ऊपर की ओर खिसक जाती है।

वस्तु की कीमतों में परिवर्तन हो (effect of change in Prices)

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

यदि दोनो वस्तुओं की कीमतों में कोई परिवर्तन होता है और उपभोक्ता की आय में कोई परिवर्तन न हो:

A) जब दोनो वस्तुओं की कीमतों में परिवर्तन हो

B) वस्तु X की कीमत में परिवर्तन हो।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

12. मांग वक्र में शिफ्ट को रेखाचित्र सहित समझाइए। (5)

उत्तर: मांग वक्र के खिसकाव का अर्थ है मांग वक्र का अपनी आरंभिक स्थिति से बाईं या दाईं ओर खिसक जाना।

जब वस्तु की कीमत सामान रहें अर्थात वस्तुओं की कीमत में कोई परिवर्तन न होने पर भी अन्य कारणों के कारण जब मांग में परिवर्तन होता है तो ऐसी स्थिति में मांग वक्र का खिसकाव उत्पन्न होता है।

इस प्रकार का परिवर्तन दो प्रकार से होता है।

- **मांग में वृद्धि**
- **मांग में कमी**

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

मांग में वृद्धि (Increase in Demand)

जब वस्तु की मांग में उसकी कीमतों के अलावा अन्य तत्वों जैसे आय, फैशन आदि में परिवर्तन होने से परिवर्तन होता है अर्थात वृद्धि होती है तो ऐसी स्थिति में मांग वक्र बाएँ से दाएँ ओर स्थानांतरित होता है। जिसे मांग में वृद्धि कहते हैं।

THE ECONOMICS GURU

मांग में कमी (Decrease in Demand)

जब वस्तु की कीमत के अतिरिक्त किन्हीं अन्य कारणों से उसी कीमत पर वस्तु की कम मात्रा या कम कीमत पर वस्तु की उतनी ही मात्रा खरीदी जाती है तो उसे मांग में कमी कहते हैं।

इस स्थिति में मांग वक्र दाएँ से बाएँ स्थानांतरित होता है तथा मांग वक्र नीचे की ओर स्थानांतरित होता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

13. एक फर्म की कुल स्थिर लागत, कुल परिवर्ती लागत तथा कुल लागत क्या है? वे किस प्रकार संबंधित है? (5)

उत्तर:

कुल लागत (Total Cost - TC)

किसी वस्तु की एक निश्चित मात्रा का उत्पादन करने के लिए। उत्पादक को जितनी कुल व्यय करने पड़ते हैं, उनके जोड़ को कुल लागत कहते हैं।

कुल स्थिर लागत तथा कुल परिवर्तनशील लागत के योग को कुल लागत कहा जाता है।

TC = TFC + TVC

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

कुल स्थिर लागत (Total Fixed Cost) - TFC

स्थिर लागत उस कुल खर्च का जोड़ है जो उत्पादक उत्पादन के स्थिर साधनों की सेवाओं को खरीदने या भाड़े पर लेने के लिए खर्च करनी पड़ती है।

स्थिर लागत उत्पादन के आकार से अप्रभावित रहती है। उत्पादन स्तर शून्य होने पर भी उत्पाद को स्थिर लागतों का भुगतान करना पड़ता है।

TFC = TC - TVC

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

कुल परिवर्तनशील लागत (Total Variable Cost) - TVC

परिवर्तनशील लागत वह लागत है जो उत्पादन को उत्पादन के घटते बढ़ते साधनों के प्रयोग के लिए खर्च करनी पड़ती है।

परिवर्तनशील लागत का आकार उत्पादन की मात्रा पर निर्भर करता है। जाती है।

TVC = TC - TFC

चित्र

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अथवा

प्रश्न: **पूर्ति को निर्धारित करने वाले तत्वों का उल्लेख कीजिए।**

उत्तर: **वस्तु की पूर्ति के निर्धारक घटक**

वस्तु की कीमत - किसी वस्तु की पूर्ति तथा कीमत में प्रत्यक्ष संबंध होता है। सामान्य दशाओं में वस्तु की कीमत बढ़ने से वस्तुओं की पूर्ति बढ़ती है तथा कीमत कम होने से वस्तुओं की पूर्ति घटती है।

संबंधित वस्तुओं की कीमत - किसी वस्तु विशेष की पूर्ति अन्य संबंधित वस्तुओं की कीमत से अप्रत्यक्ष रूप से संबंधित होती है। जैसे चावल की कीमत में वृद्धि होने से गेहूं की पूर्ति गिर जाती है।

फर्मो की संख्या- किसी वस्तु की बाजार पूर्ति फर्मो की संख्या पर भी निर्भर करती है। फर्मो की संख्या अधिक होने पर पूर्ति अधिक होती है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

उत्पादन साधनों की कीमत- उत्पत्ति के साधनों की कीमत बढ़ने पर उत्पादन लागत में वृद्धि होती है जिससे उत्पादों का लाभ घटता है और वे उत्पादन कम कर देते हैं, जिससे आपूर्ति भी कम होती है।

तकनीकी स्तर- तकनीकी स्तर में परिवर्तन से नवीन एवं कम लागत वाली उत्पादन तकनीकों का आविष्कार होता है जिससे उत्पादन लागत में कमी होती है और वस्तु की पूर्ति में वृद्धि।

फर्म का उद्देश्य- यदि फर्म का उद्देश्य लाभ को अधिकतम करना है तो वह केवल अधिक कीमत पर ही पूर्ति अधिक करेंगे। इसके विपरीत यदि फर्म का उद्देश्य बिक्री या उत्पादन को अधिकतम करना है तो वह कम कीमत पर भी अधिक पूर्ति करेंगे।

भविष्य में संभावित कीमत- निकट भविष्य में वस्तु की कीमत में कमी होने की संभावना होने पर वर्तमान में वस्तुओं की पूर्ति बढ़ जाती है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

14. उच्चतम निर्धारित कीमत से क्या अभिप्राय है? बाजार संतुलन पर उच्चतम निर्धारित कीमत के प्रभावों को एक उदाहरण द्वारा समझाइए। (5)

उत्तर: **उच्चतम निर्धारित कीमत से तात्पर्य सरकार द्वारा किसी वस्तु या सेवा की उस कीमत से होता है, जिससे अधिक मूल्य पर वह वस्तु या सेवा का विक्रय नहीं किया जा सकता।**

किसी वस्तु की अधिकतम मूल्यी उच्चतम निर्धारित कीमत कहलाती है।

उपभोक्ताओं के संरक्षण के लिए और उनके हितों की रक्षा के लिए सरकार द्वारा वस्तु और सेवा के उच्चतम मूल का निर्धारण ही उस वस्तु सेवा की उच्चतम निर्धारित कीमत कहलाती है। सरकार यह कदम उपभोक्ताओं के हितों के कारण उठाती है ताकि उत्पाद कर्ता या सेवा प्रदाता अपनी मनमानी नहीं कर सके और वस्तु या सेवा का लाभ उपभोक्ता को उचित मूल्य पर मिले।

बाजार संतुलन पर उच्चतम निर्धारित कीमत के प्रभाव

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

यद्यपि मूल्य सीमा का उद्देश्य सबसे आवश्यक वस्तुओं तक पहुंच सुनिश्चित करना है, लेकिन कभी-कभी उन वस्तुओं को कम पहुंच योग्य बनाने का उल्टा प्रभाव भी पड़ सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि सरकार द्वारा लागू कीमत आपूर्ति और मांग की बाजार शक्तियों को प्रतिबिंबित नहीं करती है।

उदाहरण के लिए, कई नगरपालिका सरकारें ऐसी नीतियां लागू करती हैं जो आवास को अधिक किफायती बनाए रखने के लिए किराये की कीमतों में वृद्धि को सीमित करती हैं। इसका मतलब यह है कि आवास की कमी होने पर मकान मालिक किराया बढ़ाने में असमर्थ हैं। इन प्रतिबंधों के कारण, डेवलपर्स के लिए नए विकास को वित्त पोषित करने की संभावना कम है, क्योंकि उनका मुनाफा मौजूदा किराया नियंत्रण से सीमित होगा। परिणामस्वरूप, कमी होने पर भी उन शहरों में आवास की आपूर्ति बढ़ने की संभावना कम है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

खंड ब (समष्टि अर्थशास्त्र)

15. बहुविकल्पीय प्रश्न

क) आधुनिक अर्थशास्त्र का जनक किसे कहा जाता है? (1)

i) माल्थस

ii) एडम स्मिथ

iii) रॉबिन्स

iv) जे एस मिल

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

ख) जिसे दर पर केंद्रीय बैंक व्यावसायिक बैंकों को पूंजी प्रदान करता है? (1)

i) रेपो रेट

ii) रिवर्स रेपो रेट

iii) CRR

iv) SLR

ग) 'द जनरल थ्योरी ऑफ एम्प्लॉयमेंट इंटरेस्ट एंड मनी' पुस्तक के लेखक कौन हैं? (1)

i) मार्शल

ii) कीन्स

iii) जे बी से

iv) पीगू

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

घ) निम्न में से कौन भुगतान संतुलन के पूंजी खाते का घटक नहीं है? (1)

i) निवेश

ii) विदेशी ऋण

iii) विदेशी सहायता

iv) वस्तुओं में व्यापार

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

ङ) निम्नलिखित दोनों कथनों को पढकर सही विकल्प चुनिए। (1)

अभिकथन (A): माल सूची में परिवर्तन को मालसूची निवेश कहा जाता है।

कारण (B): माल सूची में परिवर्तन नियोजित अथवा अनियोजित हो सकता है।

i) A तथा R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।

ii)A तथा R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

iii) A सही है परंतु R गलत हैं।

iv) A तथा R दोनों गलत है।

16. मुद्रा के माध्यम के बिना वस्तुओं के विनिमय को क्या कहते हैं? (1)

उत्तर: वस्तु विनिमय

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

17. **सीमांत उपभोग प्रवृति का अधिकतम मान क्या हो सकता है? (1)**

उत्तर: एक

18. **जीएसटी के पूरा नाम लिखिए। (1)**

उत्तर: वस्तु एवं सेवा कर (Goods and Services Tax)

19. **कागजी मुद्रा के लाभ लिखिए। (2)**

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

उत्तर: **कागजी मुद्रा के लाभ**

- पत्र **मुद्रा** बहुत हल्की होती है। ...
- पत्र **मुद्रा** के चलन से बहुमूल्य धातु की बचत होती है। ...
- पत्र **मुद्रा** में लोचता पाई जाती है पत्र **मुद्रा** में आवश्यकतानुसार कमी या वृद्धि की जा सकती है।
- पत्र **मुद्रा** के चलन से धातु के सिक्के चलन में नहीं होते हैं। ...
- पत्र **मुद्रा** को गिनने तथा परखने में सुविधा होती है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

20. विनियोग गुणक से आप क्या समझते हैं? (2)

उत्तर: **कींस** का विचार था कि *अर्थव्यवस्था में जब कोई स्वायत्त निवेश किया जाता है तब आय में केवल निवेश के आकार में वृद्धि नहीं होती, बल्कि आय में निवेश के कई गुना अधिक वृद्धि होती है।*

निवेश की तुलना में आय में जीतने गुना वृद्धि होती है, उसे निवेश गुणक कहते हैं।

21. सीमांत बचत प्रवृति का क्या अर्थ है? स्पष्ट कीजिए। (2)

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

उत्तर: बचत में होने वाले परिवर्तन तथा आय में होने वाले परिवर्तन का अनुपात सीमांत बचत प्रवृत्ति कहते है।

$$MPS = \Delta S / \Delta Y$$

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

22. व्यापार संतुलन तथा अदायगी संतुलन में क्या अंतर है? (2)

उत्तर: व्यापार संतुलन और भुगतान संतुलन के बीच प्रमुख अंतर निम्नलिखित हैं

- **अर्थ**

  बीओटी एक बयान है जो एक अवधि में किसी देश के अन्य देशों के साथ माल के आयात और निर्यात को रिकॉर्ड करता है। जबकि BOP एक अवधि के भीतर उस देश द्वारा किए गए सभी आर्थिक लेनदेन को रिकॉर्ड करता है।

- **अभिलेख**

  बीओपी और बीओटी के बीच एक बड़ा अंतर उनके द्वारा रखे जाने वाले रिकॉर्ड को लेकर है। व्यापार संतुलन केवल भौतिक वस्तुओं को रिकॉर्ड करता है। दूसरी ओर, भुगतान संतुलन भौतिक वस्तुओं के साथ-साथ गैर-भौतिक वस्तुओं को भी रिकॉर्ड करता है।

THE ECONOMICS GURU

23. स्टॉक और प्रवाह की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए। (3)

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

उत्तर: स्टॉक तथा प्रवाह चरों में अंतर

स्टॉक	प्रवाह
स्टॉक का अर्थ किसी एक विशेष समय बिंदु पर मापी जाने वाली आर्थिक चर की मात्रा है।	प्रवाह का अर्थ एक आर्थिक चर की वह मात्रा है जिसे इसी समय अवधि के दौरान मापा जाता है।
स्टॉक का कोई समय परिमाप नहीं होता है।	प्रवाह का समय परिमाप होता है। जैसे प्रतिदिन, प्रतिघंटा, प्रतिमास, प्रतिवर्ष आदि।
स्टॉक एक स्थैतिक अवधारणा है।	प्रवाह एक गत्यात्मक अवधारणा है।
उदाहरण: मुद्रा का परिमाप, धन, गोदाम में रखा गेहूं, टंकी में रखा पानी आदि	उदाहरण: उपभोग, निवेश, आय, नदी में जल आदि।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

24. व्यावसायिक बैंको के कार्यों का उल्लेख कीजिए। (3)

उतर: एक व्यापारिक बैंक के तीन मुख्य कार्य होते है -

I) **जमायें स्वीकार करना** - व्यापारिक का सबसे पहला कम जनता से जमाओं को स्वीकार करना होता है । और यह जमाये प्रमुखतः चार प्रकार के खातों में किया जाता जाता है - चालू खाता , बचत जमा, सावधि जमा खाता तथा आवर्ती जमा खाता ।

II) **ऋण देना** - व्यापारिक बैंक का दूसरा मुख्य कार्य लोगो के मांगने पर उनके ऋण देना है । एक बैंक निम्न प्रकार के ऋण उपलब्ध कराती है - नकद साख, अधिविकर्ष, ऋण एवं अग्रिम, विनिमय पत्रों की कटौती तथा सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश ।

III) **साख निर्माण** - वर्तमान समय में साख का निर्माण करना व्यापारिक बैंकों का प्रमुख्कार्य बन गया है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

25. स्थिर विनिमय दर से आप क्या समझते हैं? इस प्रणाली की क्या गुण दोष है। (3)

उत्तर: जब एक देश की सरकार अपनी मुद्रा का मूल्य दूसरे देश की मुद्रा में निश्चित कर देता है और इस निर्धारित मूल्य को स्थिर रखा जाता है अर्थात सरकार द्वारा निर्धारित विनिमय दर को परिवर्तित नहीं किया जा सकता तो इसे स्थिर विनिमय दर प्रणाली या निश्चित विनिमय दर कहा जाता है।

स्थिर विनिमय दर के गुण:

- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि (Increase in International Trade)
- विदेशी पूंजी को प्रोत्साहन (Encouragement to Foreign Capital)
- पूंजी निर्माण में वृद्धि (Increase in Capital Formation)
- आर्थिक नियोजन (Economic Planning)

स्थिर विनिमय दर के दोष:

- राष्ट्रीय हितों की अवहेलना (Neglect of National Interest)
- अन्य क्षेत्रों में नियंत्रण (Control on Other Sectors)

विनिमय दर में अत्यधिक उच्चावचन (High Fluctuation)

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अथवा

प्रश्न: नम्य (तैरती) विनिमय व्यवस्था में विनिमय दर का निर्धारण कैसे होता है?

उत्तर: जिस प्रकार से वस्तु की कीमत बाजार में मांग व् पूर्ति की शक्तियों द्वारा मिर्धरिओत होती है, उसी प्रकार विनिमय दर भी विदेशी विनिमय बाजार में मांग व् पूर्ति के द्वारा ही निर्धारित होती है ।

जब विदेशी विनिमय में भुगतान किया जाता है तो उस देश द्वारा विदेशी विनिमय की मांग की जाती है ।

इसी तरह जब विदेशी विनिमय की प्राप्तियां प्राप्त होती है तो उस देश में विदेशी विनिमय की पूर्ति होती है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

26. राष्ट्रीय आय की गणना करने की किन्ही दो विधियों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। (5)

उत्तर: राष्ट्रीय आय से अभिप्राय किसी राष्ट्र की एक वर्ष के दौरान आर्थिक क्रियाओ के परिणाम स्वरुप उत्पादित अंतिम ' **वस्तुओं एवं सेवाओं** 'के मौद्रिक मूल्य से होता है।

उत्पाद विधि या मूल्य वर्धित विधि

राष्ट्रीय आय की गणना इस तकनीक का उपयोग करके वस्तुओं और सेवाओं के प्रवाह के रूप में की जाती है। सबसे पहले, हम एक वर्ष में किसी अर्थव्यवस्था में उत्पन्न सभी अंतिम उत्पादों और सेवाओं के मौद्रिक मूल्य की गणना करते है। धन का मूल्य बाजार कीमतों पर मापा जाता है, बाजार कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद (सकल घरेलू उत्पाद) कुल राशि है।

फॉर्मूला: राष्ट्रीय आय = बिक्री + स्टॉक में परिवर्तन - मूल्यह्रास - शुद्ध अप्रत्यक्ष कर + विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

NNPfc = Sales + Change in Stock - Dep - NIT + NFIA

आय विधि

राष्ट्रीय आय की गणना इस तकनीक का उपयोग करके कारक आय के संचलन के रूप में की जाती है।

उत्पादन के मुख्य रूप से चार पहलू हैं: श्रम, भूमि, पूंजी और उद्यमिता। श्रम की भरपाई मज़दूरी और वेतन से की जाती है, पैसे की भरपाई ब्याज से की जाती है, ज़मीन की भरपाई किराये से की जाती है, और उद्यमिता की भरपाई लाभ से की जाती है। इसके अलावा, विशिष्ट स्व-रोज़गार व्यक्ति, जैसे चिकित्सक, वकील और सीए, अपना पैसा और श्रम स्वयं प्रदान करते हैं। उनकी आय को मिश्रित आय कहा जाता है। इन सभी कारक आय को कारक लागत पर एनडीपी (एनडीपीएफसी) कहा जाता है।

सूत्र:

राष्ट्रीय आय = किराया + मुआवजा + ब्याज + लाभ + मिश्रित आय + विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

27. पूर्ण रोजगार की अवधारणा को समझाइए। (5)

उत्तर: **पूर्ण रोजगार**

पूर्ण रोजगार एक ऐसी स्थिति को संदर्भित करता है जिसमें हर सक्षम व्यक्ति जो मजदूरी की प्रचलित दर पर काम करने के लिए तैयार है, वह, कार्यरत है। वैकल्पिक रूप से, यह एक ऐसी स्थिति है जब कोई अनैच्छिक बेरोजगारी नहीं है।

यह ध्यान देने की आवश्यकता है कि यद्यपि पूर्ण रोजगार का अर्थ ऐसी स्थिति है जहां अर्थव्यवस्था भूमि, श्रम, पूंजी, आदि में सभी संसाधन पूरी तरह से नियोजित हैं, लेकिन पूर्ण रोजगार के अर्थ को सरल बनाने के लिए केवल श्रम बाजार तक ही सीमित है, अर्थात ऐसी स्थिति जहां सभी सक्षम व्यक्ति जो प्रचलित मजदूरी दर पर काम करने के इच्छुक हैं वे नौकरी पाते हैं।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

पूर्ण रोजगार/संतुलन आय का निर्धारण

एक अर्थव्यवस्था में आय का संतुलन स्तर उस बिंदु पर स्थापित होता है जहाँ सामूहिक मांग अनुसूचित एवं सामूहिक पूर्ति अनुसूची में घटक बराबर हो जाते हैं।

आय का स्तर	सामूहिक मांग	सामूहिक पूर्ति
Y	**AD = C+ I**	**AS = C+ S**
0	150	0
100	200	100
200	250	200
300	**300**	**300**
400	350	400
500	400	500

चित्रीय निरूपण:

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अथवा

प्रश्न: समग्र मांग में परिवर्तन का आय तथा उत्पादन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर: समग्र मांग में परिवर्तन दो प्रकार से होता है। अत: इसका आय और उत्पादन पर प्रभाव अलग- अलग होता है।

I) यदि समग्र मांग, समग्र पूर्ति से अधिक हो (AD>AS)-

यह वह स्थिति है जब पूर्ण रोजगार के लिए आवश्यक समग्र मांग से वास्तविक समग्र मांग अधिक होता है। जिससे अर्थव्यवस्था में कीमत स्तर में वृद्धि होती है।

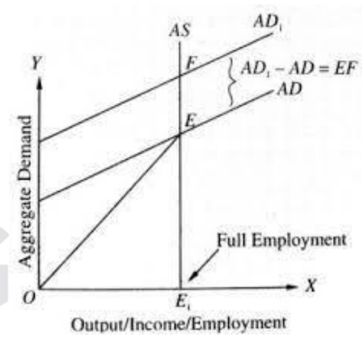

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

II) यदि समग्र मांग, समग्र पूर्ति से कम हो (AD<AS)-

यह वह स्थिति है जब पूर्ण रोजगार के लिए आवश्यक समग्र मांग से वास्तविक समग्र मांग कम होता है। जिससे अर्थव्यवस्था में कीमत स्तर में कमी होती है साथ ही साथ उत्पादन और रोजगार में भी कमी होती है ।

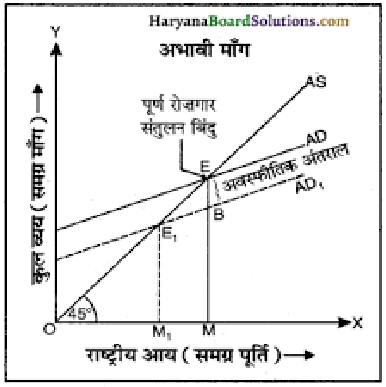

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

28. निम्नलिखित केस अध्ययन को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा इसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

<u>बजट सार 2023-24</u>

राजकोषीय घाटा (एफडी) प्रतिकूल राजकोषीय शेष है, जो राजस्व प्राप्तियों सह ऋण भिन्न पूंजीगत प्राप्तियों (एन.डी.सी.आर) अर्थात ऋण भिन्न प्राप्तियों के जोड़ और कुल व्यय के बीच का अंतर है। राजकोषीय घाटा (एफडी), सरकार की कुल उधारी आवश्यकता को दर्शाता है। राजस्व घाटे का अर्थ राजस्व व्यय का राजस्व प्राप्तियों से अधिक होना है। प्रभावी राजस्व घाटा (ई.आर.डी.) राजस्व घाटे और पूंजीगत परिसंपत्तियों के सृजन हेतु सहायता अनुदान के बीच का अंतर है। प्राथमिक घाटा, राजकोषीय घाटे में से ब्याज अदायगियों को घटाकर निकाला जाता है। प्रभावी पूंजीगत व्यय का अर्थ ,पूंजीगत व्यय और पूंजीगत परिसंपत्तियों के सृजन सहायता अनुदान का जोड़ है। .... संशोधित अनुमान 2022-23 में कुल व्यय ₹41,87,232 करोड़ होने का अनुमान लगाया गया है। जो वित्तीय वर्ष 2021-22 के वास्तविक से ₹3,93,431 करोड़

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अधिक है। संशोधित अनुमान 2022-23 कुल पूंजीगत व्यय ₹7,28,274 करोड़ होने का अनुमान लगाया गया है।

बजट अनुमान 2023-24 में कुल व ₹45,03,097 करोड़ होने का अनुमान लगाया गया है, जिसमें से कुल पूंजीगत व्यय ₹10,00,961 करोड़ है।

i) किस अंतर को राजकोषीय घाटा कहा जाता है। (1)

उत्तर: राजस्व प्राप्तियों सह ऋण भिन्न पूंजीगत प्राप्तियों (एन.डी.सी.आर) अर्थात ऋण भिन्न प्राप्तियों के जोड़ और कुल व्यय के बीच का अंतर

ii)प्रभावी पूंजीगत व्यय का अर्थ क्या है? (1)

उत्तर: प्रभावी पूंजीगत व्यय का अर्थ ,पूंजीगत व्यय और पूंजीगत परिसंपत्तियों के सृजन सहायता अनुदान का जोड़ है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

iii) प्राथमिक घाटे में, ब्याज अदायगियों को जोड़ने से क्या प्राप्त होता है? (1)

उत्तर: राजकोषीय घाटा

iv) वित्तीय वर्ष 2021-22 का कुल वास्तविक व्यय कितना है? (2)

उत्तर: ₹41,87,232 करोड़ - ₹3,93,431 करोड़ = ₹37,93,801 करोड़

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

LIKE AND ***SHARE*** THE CLASS LINK

SUBSCRBE THE CHANNEL

THE ECONOMICS GURU

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

WhatsApp/ 7830010683

FOLLOW ME ON *INSTAGRAM* / @dhali_sir

FOLLOW ME ON *FACEBOOK* / NAKUL DHALI

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

www.theeconomicsguru.com